समानता Important Questions Class 11 Political Science Chapter 3 in Hindi

1 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 समानता का महत्व लिखिए।

उत्तर : समानता के कारण सभी व्यक्ति महत्व व सम्मान के अधिकारी है। इसी धारणा ने सर्वभौमिक मानावधिकार जैसी धारणा का जन्म दिया।

प्रश्न 2 क्या समानता का मतलब व्यक्ति से हर स्थिति में समान बर्ताव करना है?

उत्तर : नहीं वरन व्यक्ति की प्रतिभा व क्षमताओं को ध्यान में रखकर अवसर की समानता मुहैया कराना है।

प्रश्न 3 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुई फ्रांसीसी क्रांति का नारा क्या था?

उत्तर : स्वतंत्रता, समानता व भाईचारा ।

प्रश्न 4 क्या समाज मे समानता के साथ-साथ असमानता अधिक नजर आती है?

उत्तर : हाँ। आलीशान कॉलोनियों के साथ झुग्गियां भोजन की बर्बादी के साथ भुखमरी समाज में आसानी से देखी जा सकती है।

प्रश्न 5 भारतीय समाज में व्याप्त एक साधारण असमानता का उल्लेख कीजिए?

उत्तर : स्त्री पुरूष असमानता जिसके चलते कन्या भ्रूण हत्या का पाप समाज में हुआ है।

प्रश्न 6 नारीवाद से आप क्या समझते है?

उत्तर : नारीवाद स्त्री पुरूष के समान अधिकारों का पक्ष लेने वाला राजनीतिक सिद्धांत है।

प्रश्न 7 वंचित समूहों से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : लम्बे समय से असमानता व शोषण के शिकार व्यक्ति जिनपर जन्म व जातिगत विभिन्नताओं के चलते अत्याचार होते रहे है।

प्रश्न 8 समानता भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में वर्णित है?

उत्तर : अनुच्छेद (14-18)

प्रश्न 9 भारत सरकार ने विकलांगता अधिनियम किस वर्ष में पास किया?

उत्तर : वर्ष 1995

2 अंकीय प्रश्न:

प्रश्न 1 न्यायपूर्ण व अन्यायपूर्ण असमानता से आप क्या समझते है?

उत्तर : व्यक्ति के काम के महत्व के आधार पर असमानता न्यायपूर्ण कहीं का सकती है जैसे देश के प्रधानमंत्री व सेना के जनरल को विशेष दर्जा या सम्मान जबकि व्यक्ति के जन्म व जाति पर आधारित असमानता अन्यायपूर्ण होगी जैसे मंदिर व सार्वजनिक स्थल में प्रवेश पर रोक।

प्रश्न 2 आर्थिक समानता का अर्थ लिखिये।

उत्तर : अमीर व गरीब के बीच व्याप्त खाई को कम करना तथा अवसरों से समानता की उपलब्धि

प्रश्न 3 समानता के आदर्श से क्या तात्पये है?

उत्तर : व्यक्ति को प्राप्त अवसर या व्यवहार जन्म या समाजिक परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होने चाहिए।

प्रश्न 4 कुछ विभिन्नताएं जन्मजात न होकर भी जन्मजात बना दी गई है? इस संबंध में अपने विचार लिखिये।

उत्तर : जब समाज में कुछ विभिन्नताएं लम्बे समय तक विद्यमान रहती है तो वह प्राकृतिक विभिन्नताओं पर आधारित लगने लगती है जैसे प्राचीन समय से ही महिलाओं को अबला व पुरूषों के मुकाबले में डरपोक मानकर उन्हें समान अधिकारों से वंचित करना, न्यायसंगत मान लिया गया था।

प्रश्न 5 प्राकृतिक व समाज-जनित असमानताओं से आप क्या समझते है?

उत्तर : प्राकृतिक असमानताएं व्यक्तियों की क्षमता व प्रतिभा से जुड़ी होती है जबकि समाजजनित असमानताएं अवसरों की असमानता व शोषण से जुड़ी होती है।

प्रश्न 6 क्या हमारा समाज समानता पर आधारित समाज का उदाहरण हो सकता हैं?

उत्तर : यद्यपि भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों में समानता वर्णित है किंतु फिर भी समाज में अमीर गरीब, स्त्री पुरूष व जातिगत असमानताओं के उदाहरण प्रतिदिन देखने को मिलते है।

प्रश्न 7 क्या आपके अनुसार सामाजिक समानता भारत में सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा है? क्यों?

उत्तर : हां क्योंकि भारतीय समाज जातिगत विभिन्नताओं में बंटा है। जन्म के आधार पर फैली असमानता को समाप्त करने के लिय डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने आरक्षण सम्बधी प्रावधानों का जिक्र किया था।

प्रश्न 8 मॉर्क्सवाद से आप क्या समझते है?

उत्तर : सामाजिक व आर्थिक असमानताओं को मिटाने का उपाय निजी स्वामित्व को समाप्त करके आर्थिक संसाधनों पर जनता का स्वामित्व होना चाहिए।

प्रश्न 9 समाजवाद की अवधारणा समझते हुए भारत के प्रमुख समाजवादी चिंतक का नाम बताइये।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर : समाजवाद का अर्थ असमानताओं को न्यूनतम करके संसाधनों को न्यायपूर्ण बंटवारा करना है। भारत के प्रमुख समाजवादी चिंतक राम मनोहर लोहिया।

प्रश्न 10 "विभेदक बर्ताव (आरक्षण) समानता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है" कैसे?

उत्तर : हाँ, क्योंकि समानता व विकास की दौड़ में पीछे रह गई नीतियों को विशेषाधिकारों की आवश्यकता है।